addition, it was also suggested to the State Government to render the following assistance to the affected persons.

(a) Employment of widows or wards of the families affected by communal riots wherein earning member of the family had been killed or permanently incapacitated.

(b) Allotment of tenements and house sites to families rendered homeless.

(c) Allotment of Shops/space for kiosks to families to re-start their business

(d) Bank loans for capita! investments as also working capital for re-commencement of industries and business affected in the riots.

दिल्ली में कारों तथा स्कूटरों की चोरी

2842. **श्री शंकर दयाल सिंह:** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विगत एक वर्ष के दौरान दिल्ली में कारों तथा स्कूटरों की चोरी की कितनी वारदातें हुई;

(ख) क्या कोई गिरोह इसमें सक्रिय है; और

(ग) विगत एक वर्ष के दौरान चुराई गई कारों तथा स्कूटरों में से कितनी बरामद की गयी?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी॰ एम॰ सईद) : (क) वर्ष 1992 और 1993 (30.11.93 तक) के दौरान दिल्ली में कारों और स्कूटरों की चोरी के मामलों की संख्या निम्न प्रकार है:—

वर्ष	कार	स्कूटर
1992	922	1303
1993 (30.11.93 तक)	1124	1099

(ख) दिल्ली पुलिस ने सूचित किया है कि दिल्ली में 1992 में ऐसे दो गिरोह तथा 1993 (30.11.1993 तक) में 10 गिरोहों का पता लगा है।

(ग) वर्ष 1992 और 1993 (30.11.1993 तक) के दौरान बरामद की गई चोरी की कारों और स्कूटरों की संख्या निम्नप्रकार है:—

वर्ष	कार	स्कूटर
1992	468	599
1993 (30.11.1993 तक)	518	426

जम्मू और कश्मीर राज्य में चुनाव

2843. **श्री शंकर दयाल सिंह :** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) कश्मीर में पिछला चुनाव कब हुआ था और आगामी चुनाव कब होने वाला है;

(ख) क्या जम्मू और कश्मीर तथा लद्दाख में आम चुनाव हेतु जनमतदाता सूचियां तैयार हैं या अभी उन्हें तैयार किया जाना है;

(ग) जम्मू और कश्मीर में कुल कितने मतदाता है; और

(घ) विगत कुछ वर्षों में जो लोग कश्मीर छोड़कर बाहर आ गए है, उनके नाम मतदाता सूचियों में शामिल किए गए हैं या नहीं?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट): (क) और (ख) जम्मू और कश्मीर राज्य में पिछले चुनाव नवम्बर, 1987 में हुए थे। सामान्य हालात बहाल करने और यथाशीघ्र स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव करने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए सतत और निरन्तर प्रयास किए जा रहे हैं। तथापि इस समय इसके लिए कोई समय सीमा नहीं बतायी जा सकती है।

जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के उपबन्धों के अनुसार जम्मू और कश्मीर में मतदाता सूचियों का पिछला संक्षिप्त संशोधन मार्च, 1992 में पूरा किया गया था।

(ग) और (घ) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी।